Website: http://mvvu.ac.in.   e-mail : reg.mvvu@gmail.com

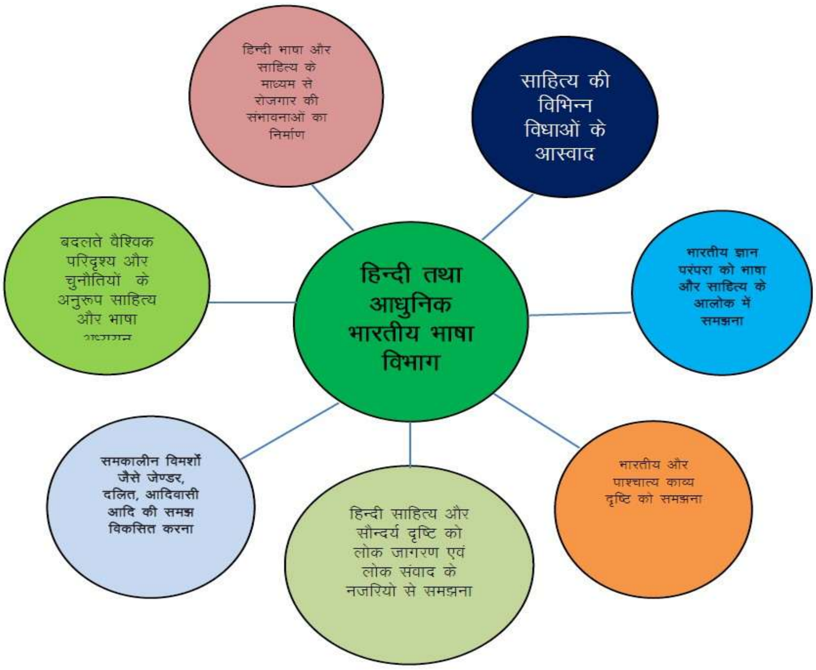

<u>परिकल्पना एवं पाठयक्रम लक्ष्य</u>

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषा और साहित्य को पारम्परिक ज्ञान–क्षितिजों के साथ नए सन्दर्भो में देखने की हिमायत करती है। राष्ट्र, राज्य की आधारभूत संकल्नओं, राष्ट्रीयता की आधारभूत समझ, परिवर्तनकामी भारतीय आंदोलनों जैसे– नाथों–सिद्धोंका हस्तक्षेप, भक्तिकालीन जनक्षेत्र का निर्माण, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ रिश्तों की पहचान एवं सरकार, गैर सरकारी व कार्पोरेट जगत की मॉगों के अनुरूप नए संदर्भो की तलाश और अंतरवर्ती धारा के रूप में साहित्यबोध तथा शास्त्रबोध की व्यापक समझ साहित्य के पाठ्यक्रम की आधारभूत आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा द्वारा प्रेषित समान पाठ्यक्रम में अपेक्षित और निर्धारित संशोधान करते हुए बी0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। मेजर, माइनर एवं वोकेशनल पाठ्यक्रमों का निर्माण इस प्रकिया को समग्र रूप में पाठ्यक्रम अभिकल्पना में सामने लाने का प्रयास करता है। हिन्दी अध्यापन, प्रिन्ट और विजुअल मीडिया, धारावाहिक और पटकथा लेखन, विज्ञापन और अनुवादआदि अनेक आवश्यकताओं के आलोक में पाठ्यक्रम की संकल्पना आकार प्राप्त की है। पाठ्यक्रम उद्देश्योंको अग्रलिखित बिन्दुओं के आलोक में और भी बेहतर ढंग से समझना सम्भव है–

- भारतीयता के तत्वों की साहित्यिक और सांस्कृतिक निर्मितियों का आवगाहन।
- साहित्यशास्त्र और काव्यशास्त्र की आधारभूत समझ।
- सौन्दर्यबोध और साहित्यबोध की समझ।
- हिन्दी जनक्षेत्र की समझ का विकास।
- रचनात्मक लेखन बारीकियों से अवगत होना।
- स्वाधीन लेखन की सामर्थ्य का निर्माण।
- रोजगारोन्मुख क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप भाषायी कौशलों का विकास।
-

पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

PROGRAMME/CLASS:	BA I YEAR	SEMESTER: I
Subject: हिन्दी वोकेशनल		
COURSE CODE: VH-01-U	COURSE TITLE व्यावहारिक हिन्दी लेखन– I	

पाठ्यक्रम उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र में हिन्दी के विविध रूप जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन (स्वरूप और इकाई) के संदर्भ में छात्र/छात्राओं को जानकारी दी जायेगी।

1. इकाई 1

   संचार की परिभाषा, व्यक्ति और उसके स्त्रोत के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगें तथा संचार में प्रयोग किये गये विभिन्न टूल्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।

2. इकाई 2

   संचार के प्रकारोंके बारे में जानकर विद्यार्थी अपनी सचार माध्यमों को और पुक्ता कर सकेंगे।

केंगे।

3. इकाई 3

   इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थी समाचार लेखन, इंटरनेट का इस्तेमाल, टेलीविजन, समाचार लेखन, पटकथा लेखन आदि सीख सकेंगे और आधुनिक समय मे विभिन्न कौशलों के माध्यम से स्वरोजगारके अवसर विकसित कर सकेंगे।

अध्ययन परिणाम :

1. इकाई 1

   संचार की समग्र समझ,पारिभाषिक शब्दावलियो(स्त्रोत, एन्कोडिग, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्त्ता, फीडबैक और शोर ता संचार प्रक्रिया मॉडल) का ज्ञान

2. इकाई 2

   संचार के विभिन्न प्रकारों की समझ। संचार की शैली एवं पहुॅच का ज्ञान। संचार के विभन्न उद्देश्यो की समझ।

3. इकाई 3

   विभिन्न जनसंचार माध्यमों रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, सिनेमा, सोशल मीडिया आदि की सम्भावनाओ एवं सीमाओं की व्यापक समझ।

CREDITS: 3	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures – Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**सचार:** [illegible] परिभाषा और व्याप्ति स्त्रोत एन्कोडिंग सन्देश माध्यम प्राप्तकर्त्ता फीडबैक और शोर संचार प्रक्रिया मॉडल	15

II	**सचार के प्रकार और उद्देश्य :** • शैली के आधार पर संकेतिक या अमौखिक संचार मौखिक संचार लिखित संचार श्रवण संचार दृष्टिगत संचार • पहुँच के आधार पर अन्तः वैयक्तिक संचार अन्तर वैयक्तिक संचार समूह संचार जनसंचार • संचार के उद्देश्य सूचना देना शिक्षित करना मनोरंजन करना एजेंडा तय करना निगरानी करना विचार–विमर्श मंच	15

III	जनसंचार के माध्यम और विधाएँ : समाचार पत्रकारिता द्वारपाल एवं सम्पादन जनसंचार के माध्यम और विधाएँ : समाचार–पत्र पत्रिका रेडियो टेलीविजन सकारात्मक पहलू नकारात्मक पहलू इंटरनेट जनसंचार की विधाएँ सिनेमा सोशल मीडिया	15
	पाठ्य पुस्तक : जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन **लेखक : प्रो0 निरंजन सहाय** **प्रकाशक : लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश**	
	संदर्भ ग्रन्थ : 1. **अभिव्यक्ति और माध्यम, NCERT, नई दिल्ली**	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: स्माचार प्रेषण के विविध माध्यम : समाचार–पत्र, रेडियो, टेलीविजन, सोशल मीडिया, और फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य वाचन	

	अन्य माध्यम	
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
	Suggested equivalent online courses:	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड–टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत् है – 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमीनार/लेखत क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जायेगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

<table>
<tr><td colspan="2">PROGRAMME/CLASS:</td><td>BA I YEAR</td><td>SEMESTER: II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject: हिन्दी वोकेशनल</td></tr>
<tr><td colspan="2">COURSE CODE: VH-02-U</td><td colspan="2">COURSE TITLE: व्यावसायिक हिन्दी लेखन।।</td></tr>
<tr><td colspan="4">पाठ्यक्रम उद्देश्यः इस प्रश्न–पत्र में हिन्दी के विविध रूप, जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन (स्वरूप और प्रकार) के संदर्भ में छात्र/छात्राओं को जानकारी दी जायेगी।
1. इकाई 1
ज्ञान के विविध स्त्रोतों की जानकारी हासिल करना। शब्दकोश,विश्वकोश एवं वेब लिंक को देखने की योग्यता प्राप्त करना।
2. इकाई 2
विविध संचार माध्यमों जैसे फीचर, सम्पादकीय, स्तंभ, इलेक्ट्रानिक व डिजिटल पत्रकारिता, रेडियो टेलीविजन आदि के लिए लेखन के कौशल को प्राप्त करना।
3. इकाई 3
सृजनात्मक लेखन कौशल से परिचित होना।</td></tr>
<tr><td colspan="4">अध्ययन परिणाम :
1. इकाई 1
ज्ञान के विभिन्न स्त्रोतों की समझ एवं उनसे समृद्ध होने का कौशल
2. इकाई 2
फीच, सम्पादकीय, रेडियो, टेलीविन आदि में लेखन कौशल हासिल करना।
3. इकाई 3
साहित्यिक लेखन के विविध पहलुओं के कौशल से समृद्ध होना।</td></tr>
<tr><td>CREDITS: 3</td><td>MAX MARKS: 25+75</td><td colspan="2">MIN. PASSING MARKS: 10+30</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.</td></tr>
</table>

Unit	Topic	No. of Lectures
I	ज्ञान के विविध स्त्रोत :	15

	• क्या है ज्ञान और क्यों है इसकी आवश्यकता • संचार और मीडिया क्षेत्र में ज्ञान का महत्व ज्ञान के विविध स्त्रोतों के प्रकार– • शब्दकोश • विश्वकोश • साहित्य कोश • वेब लिंक	
II	संचार माध्यमों के लिए लेखन : पत्रकारीय लेखन अखबारों के लिए समाचार लेखन फीचर लेखन सम्पादकीय लेखन स्तम्भ लेखन सम्पादक के नाम पत्र इलेक्ट्रानिक और डिजिटल पत्रकारिता के लिए लेखन रेडियो समाचार लेखन टेलीविजन लेखन इन्टरनेट समाचार पोर्टल के लिए लेख	15
III	सृजनात्मक लेखन : साहित्यिक लेखन कविता लेखन कहानी लेखन नाटक लेखन कहानी का नाट्य–रूपांतरण डायरी लेखन रेडियो, सिनेमा और इंटरनेट के लिए सृजनात्मक लेखन रेडिया नाटक पटकथा लेखन ब्लॉग लेखन	15
	पाठ्य पुस्तक : जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन **लेखक** : प्रो0 निरंजन सहाय **प्रकाशक** : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश	
	सन्दर्भ ग्रन्थ :	

	2. अभिव्यक्ति और माध्यम, NCERT, नई दिल्ली	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन सकते है।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: कविता, नाटक, कहानी, डायरी, पटकथा और फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य वाचन अन्य माध्यम	
	Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा अपेक्षित)	
	Suggested equivalent online courses:	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक : 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10

लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण **Mid Term Test)**	पूर्णाक. 25
मिड–टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित है। मिड–टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत् है – .1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10–10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न–पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमीनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक कापरियोजनाकार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन +05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतीकरण) छात्र/छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओ की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेत निर्धारित है।	